सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 347 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 29 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप अच्छा बना नहीं सकते तो कम से कम ऐसा करिए कि वो अच्छा दिखे।
-बिल गेट्स

टॉम के कहर से बिखर गई टीम... 7 | सियासी रस्साकशी में फंसी चुनावी... 3 | विश्वासघात का नया कीर्तिमान... 2

ईडी की छापेमारी : पटना से रांची तक संग्राम

सोरेन से दिल्ली में पूछताछ कर रही जांच एजेंसी

विपक्ष बोला- तानाशाही कर रही है मोदी सरकार

» राजद नेता लालू ईडी कार्यालय पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार के पलटी मार जाने के बाद बिहार में एकबार फिर ईडी ने वहां के सियासी पारे को चढ़ा दिया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव पूछताछ के लिए आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। ईडी ने कथित जमीन के बदले रेलवे में नौकरी के घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव को अपने पटना कार्यालय में पूछताछ के लिए समन जारी किया था। समन के तहत लालू प्रसाद को 29 जनवरी यानी आज पेश होने के लिए कहा गया है। वहीं तेजस्वी को 30 जनवरी को बुलाया गया है। वहीं राजद ने प्रदर्शन भी किया।

उधर दिल्ली में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को भी ईडी ने पूछताछ के बुलाया था। पर वह अभी नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में चर्चा है कि उन्हे गिरफ्तार किया जा सकता है। उधर ईडी की इस कार्रवाई पर विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया है। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने बताया कि बीजेपी व मोदी सरकार तानाशाही कर रही है। ईडी की एक टीम समन देने के लिए प्रसाद की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के पटना स्थित आधिकारिक आवास पर गई थी। प्रसाद और तेजस्वी को बयान दर्ज कराने के लिए पटना के बैंक रोड स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। तेजस्वी इस मामले में

पिछले साल दिल्ली में एक बार एजेंसी के सामने पेश हो चुके हैं। समझा जाता है कि दोनों ने ईडी को बताया था कि वे अपने राजनीतिक और आधिकारिक काम में व्यस्त हैं, इसलिए दिल्ली में बयान दर्ज नहीं करा सकते। कथित घोटाला उस समय का है, जब लालू प्रसाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पहली सरकार में रेल मंत्री थे। नौ जनवरी को, ईडी ने रेलवे में नौकरी के लिए जमीन से जुड़े धन शोधन मामले में आरोपपत्र दाखिल किया, जिसमें राबड़ी देवी, उनकी बेटियों राजद सांसद मीसा भारती और हेमा यादव सहित लालू प्रसाद के परिवार के अन्य लोगों को नामजद किया गया। आरोपपत्र दाखिल होने के दिन राजद के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने ईडी की कार्रवाई को ''प्रतिशोध की राजनीति कहा था और उन्होंने भाजपा पर विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था।

रांची में सीएम आवास की बढ़ाई गई सुरक्षा

जमीन घोटाला प्रकरण में ईडी की टीम दिल्ली स्थित उनके आवास पर उनसे पूछताछ कर रही है। ईडी के पत्र सह नौवें समन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीते गुरुवार को सीएमओ के कर्मचारी से अपना जवाब ईडी कार्यालय को भिजवाया था।उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि उन्हे ईडी का पत्र मिला है, जिसमें उनसे 27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए तिथि व समय बताने के लिए कहा गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने ईडी को जवाब दिया है कि वे इस पर विचार कर रहे हैं, बाद में बताएंगे कि उनसे कब व कहां पूछताछ हो सकेगी। इस बीच मुख्यमंत्री शनिवार की शाम अचानक दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। ईडी ने मुख्यमंत्री सोरेन को 10वां समन भेजकर 29 से 31 के बीच पूछताछ के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि इस वजह से सीएम सोरेन दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं।

लालू परिवार को निचली अदालत से मिली है जमानत

लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को अक्टूबर में सीबीआई मामले में निचली अदालत से जमानत मिल चुकी है। सीबीआई के अनुसार, नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन या सार्वजनिक सूचना जारी नहीं की गई थी, लेकिन पटना के कुछ निवासियों को मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में विभिन्न जोनल रेलवे में दूसरे उम्मीदवारों के स्थान पर नियुक्त किया गया था। सीबीआई का आरोप है कि बदले में, उम्मीदवारों ने सीधे या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से प्रसाद के परिवार के सदस्यों को रियायती दरों पर जमीन बेची, जो मौजूदा बाजार दरों के एक-चौथाई से पांचवें हिस्से तक थी।

बिहार पहुंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा, उमड़ा जनसैलाब

» राज्य में करीब दो साल बाद आए कांग्रेस नेता राहुल

» रैली कर मोदी सरकार व बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत सोमवार को बिहार के सीमांचल किशनगंज जिले में पहुंची। मुस्लिम बहुल किशनगंज जिला कांग्रेस का गढ़ है। न्याय यात्रा ऐसे समय में राज्य में प्रवेश कर रही है जब कांग्रेस के पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दिन पहले फिर से पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस चले गए।

राजद व भाकपा भी होंगे शामिल

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि राहुल गांधी बृहस्पतिवार को अररिया जिले के रास्ते पश्चिम बंगाल रवाना होंगे और कुछ दिनों बाद झारखंड के रास्ते फिर बिहार लौटेंगे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के नेताओं के अनुसार, बिहार में पार्टी के गठबंधन सहयोगियों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली में आमंत्रित किया गया है।

यह 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के बाद गांधी की पहली बिहार यात्रा है। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने बताया कि गांधी का किशनगंज में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है, मंगलवार को निकटवर्ती जिले पूर्णिया में एक बड़ी रैली और एक दिन बाद कटिहार में एक और रैली होगी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मणिपुर को 2 भागों में बांट दिया गया है और भाई को भाई से लड़ाया जा रहा है। वहां अभी भी हिंसा जारी है। भाजपा ने देश के सामने नफरत और हिंसा की विचारधारा रखी है, उसके खिलाफ हम मोहब्बत की विचारधारा लेकर आए हैं।

बिहार में राहुल का अभूतपूर्व स्वागत : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा का हमें असम के मुख्यमंत्री से खूब प्रचार मिला। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के विश्वासघात के बाद किशनगंज और बिहार की जनता राहुल गांधी का स्वागत कर रही है। हमें बिहार के मुख्यमंत्री या असम के मुख्यमंत्री से कोई प्रमाणपत्र नहीं चाहिए... हमने सभी को निमंत्रण दिया है... हमने नीतीश कुमार को भी कहा था लेकिन वे तो गिरगिट निकले।

विश्वासघात का नया कीर्तिमान बना : अखिलेश

» नीतीश के पलटी मारने पर सपा प्रमुख का तंज

» नीतीश को महान पलटू राम के रूप में याद किया जाएगा : पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, भाजपा अपने जीवनकाल में इतनी कमजोर कभी नहीं थी, जितनी आज हो गई। यादव ने कहा आज विश्वासघात का नया कीर्तिमान बना है। जनता इसका करारा जवाब देगी। कोई आप पर विश्वास न करे, एक व्यक्ति के रूप में किसी की इससे बड़ी हार और कुछ नहीं हो सकती। शरद पवार गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कहा कि नीतीश कुमार को राजनीतिक इतिहास में महान पलटू राम के रूप में याद किया जाएगा, जो भाजपा के इशारे पर उछल-कूद मचाना पसंद करते हैं।

झामुमो के महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, नीतीश कुमार का इस्तीफा अपेक्षित था, क्योंकि विश्वासघात उनका राजनीतिक चरित्र रहा है। द्रमुक ने कहा कि कुमार का इंडिया गठबंधन से बाहर जाना भाजपा के लिए नुकसान और विपक्षी गठबंधन के लिए लाभदायक है क्योंकि लोग विश्वासघात के इस कृत्य को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने कहा कि जिस तरह से विधायकों को खरीदा गया और पैसे और एजेंसियों की धमकी का इस्तेमाल कर सरकारें गिराई गईं, वह खतरनाक है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने दल-बदल विरोधी कानून को मजबूत करने के लिए संसद में एक निजी विधेयक पेश किया था। आज लोकतंत्र को बचाने के लिए यह विधेयक बहुत जरूरी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा ने साजिश करके एक भावी प्रधानमंत्री को अपने साथ मिलाकर मुख्यमंत्री के पद तक ही सीमित कर दिया। भाजपा ने बिहार की जनता का अपमान किया है और जनमत का भी। जनता इस अपमान का जवाब भाजपा गठबंधन को लोकसभा का चुनाव हराकर देगी। बिहार का हर निवासी अगला वोट बिहार के सम्मान को बचाने और भाजपा को हराने के लिए डालेगा। उधर बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी ने अपने एक्स एकाउंट पर बिहार में नवगठित सरकार को शुभकामनाएं देते हुए नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम को भी बधाई दी है।

दल-बदल विरोधी कानून को मजबूत किया जाए : राघव

बिहार के लोगों से माफी मांगे नीतीश : ओवैसी

नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और प्रधानमंत्री मोदी पर राज्य के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि इन्हे लोगों से माफी मांगनी चाहिए। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि नीतीश अक्सर कहा करते है कि ओवैसी भाजपा की बी-टीम है लेकिन अब जद (यू) प्रमुख ने बेशर्मी से उस पार्टी से हाथ मिला लिया है। द्रमुक नेता टी आर बालू ने कहा कि जदयू अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि सिर्फ हिंदी ही बोली जानी चाहिए और विपक्षी गठबंधन इंडिया मे सौहार्द बनाए रखने के लिए ही उनकी पार्टी ने इसे बर्दाश्त किया।

अखिलेश और सोनिया हैं बिहार की सियासी उठापटक के जिम्मेदार : ओपी राजभर

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने बिहार की सियासत में बड़ा उलटफेर किया है। रविवार को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल से मुलाकात कर उन्होंने महागठंधन के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया। कयास लगाए जा रहे हैं शाम तक वह एनडीए गठबंधन में शामिल होकर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं और नई सरकार का गठन करेंगे। नीतीश कुमार के इस निर्णय पर तमाम नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। ओमप्रकाश राजभर ने नीतीश कुमार के इस्तीफे और एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर कहा- इसके दोषी अखिलेश यादव और सोनिया गांधी हैं। अखिलेश यादव खुद नहीं चाहते हैं कि नीतीश कुमार इंडी गठबंधन में रहे, वह चाहते हैं कि नीतीश एनडीए गठबंधन में चले जाएं। यह तय है कि सभी विपक्ष के लोग चाहते हैं कि मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनें। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। ओमप्रकाश राजभर ने कहा- विरोधियों ने ठाना है कि 2024 में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है और उसी का नतीजा बंगाल में दिखा जिसकी शुरुआत ममता बनर्जी ने की है। अब दूसरा बिहार में नीतीश कुमार ने किया है।

सदन की कार्यवाही में व्यवधान ठीक नहीं : उपराष्ट्रपति धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि चर्चा, जो लोकतंत्र की आधारशिला है, हंगामे में तब्दील हो गई है और सदन की कार्यवाही में व्यवधान लोकतंत्र के लिए कोविड के खतरे से कम नहीं है। धनखड़ ने 84वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विधाई निकायों के पीठासीन अधिकारियों को सदन की मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विधाई निकायों की कार्यवाही में व्यवधान एक दुखद परिदृश्य है।धनखड़ ने कहा, यह कोई रहस्य नहीं है कि गड़बड़ी और व्यवधान की योजना बनाई जाती है, जिसके लिए बैनर छापे जाते हैं और नारे गढ़े जाते हैं। ऐसी चीजों का हमारी प्रणाली में कोई स्थान नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिनिधि संस्थाओं और प्रतिनिधियों में जनता के विश्वास का कम होना समाज के लिए कैंसर है।धनखड़ ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों को सदन की कार्यवाही पर बारीक नजर रखनी चाहिए और मर्यादा सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा, पीठासीन अधिकारी लोकतांत्रिक स्तंभों के संरक्षक हैं।

शिंदे सरकार के फैसले से नाराज दिखे केंद्रीय मंत्री नारायण राणे

ओबीसी कोटे में अतिक्रमण से फैलेगी अशांति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि वह महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले से सहमत नहीं हैं, जिसमें कहा गया है कि जबतक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता है, तबतक उन्हें ओबीसी को मिल रहे सभी लाभ मिलेंगे। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने राणे एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग (के अधिकारों) में अतिक्रमण होगा तथा इससे महाराष्ट्र में अशांति फैल सकती है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उनकी मांगें मान लिए जाने के बाद शनिवार को अपना अनिश्चितकालीन उपवास खत्म कर दिया था।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की थी कि जबतक मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तबतक उन्हें ओबीसी को प्राप्त सभी लाभ मिलेंगे। राणे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह राज्य सरकार के फैसले को तथा आरक्षण के संबंध में मराठा समुदाय को उसके द्वारा दिए गए आश्वासन को मंजूर नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, इससे ऐतिहासिक विरासत वाले मराठा समुदाय का दमन होगा और यह अन्य पिछड़े समुदायों में भी अतिक्रमण होगा। उन्होंने कहा, इससे राज्य में अशांति फैलेगी। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को भी इस मुद्दे पर बोलेंगे। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने भी राज्य सरकार के इस फैसले पर असंतोष व्यक्त किया है तथा अन्य पिछड़ा वर्ग में पिछले दरवाजे से मराठों के प्रवेश पर सवाल उठाया है। कृषक समुदाय कुनबी ओबीसी के अंतर्गत आता है और जरांगे भी सभी मराठों के लिए कुनबी प्रमाणपत्र मांग रहे है। जरांगे मराठों के वास्ते आरक्षण की मांग को लेकर अगस्त से आंदोलन कर रहे थे।

सरकार के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे : भुजबल

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेता छगन भुजबल ने कहा है कि मराठा आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ एक फरवरी को विधायकों, सांसदों और तहसीलदारों के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। भुजबल ने अपने आधिकारिक आवास पर एक बैठक की, जिसमें ओबीसी विधायकों, नेताओं और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। भुजबल ने कहा कि इस बैठक में 26 जनवरी को मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तावित मसौदे को रद्द करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस फैसले के जरिए मराठा समुदाय को आरक्षण लाभ देने के लिए अवैध तरीका अपनाया जा रहा है। हम इस तरह के फैसलों के खिलाफ ओबीसी को एकजुट करने के लिए मराठवाड़ा से एक एल्गार रैली भी निकालेंगे।

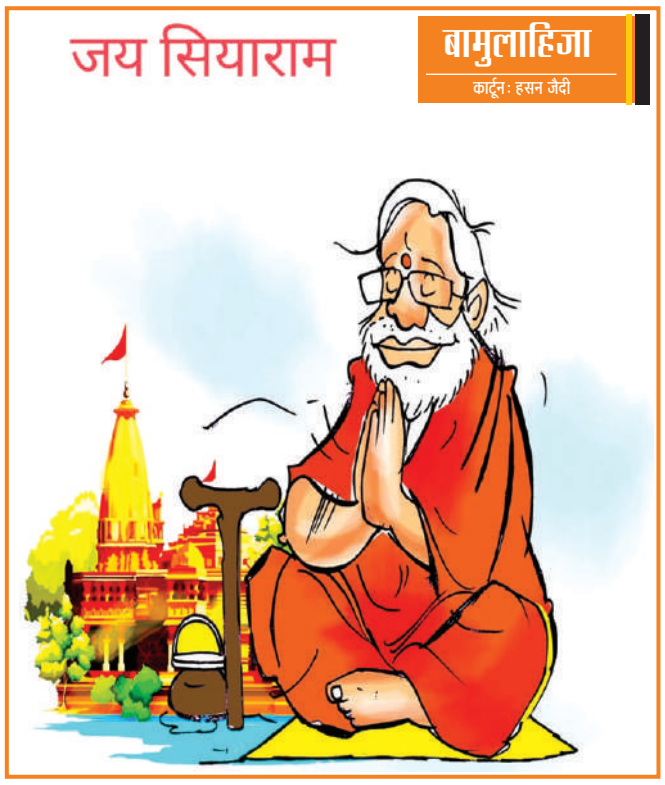

भाजपा का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं : संजय राउत

» बोले- हमारा गठबंधन 2024 का चुनाव जीतेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने दावा किया कि जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार के नाम पर 'इंडिया 'गठबंधन में किसी भी प्रमुख पद के लिए कभी चर्चा नहीं हुई। राउत ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि आपके पास गलत जानकारी है। 'इंडिया' गठबंधन में नीतीश कुमार का नाम कभी भी आगे नहीं था।

इसके मद्देनजर कि इन दोनों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, उन्हें राजनीतिक जमीन पर कोई खेल नहीं खेलना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने हाल ही में कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की एक डिजिटल बैठक के दौरान, संयोजक पद के लिए नीतीश कुमार का नाम सुझाया गया था, लेकिन कुमार का विचार था कि पार्टी प्रमुखों की एक टीम बनाई जानी चाहिए और संयोजक बनाने की जरूरत नहीं है। राउत ने दावा किया शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और शिवसेना 2024 का चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा, जब ये दोनों पार्टियां एकसाथ आयी हैं, तो हम निश्चित रूप से 2024 का चुनाव जीतेंगे।

सियासी रस्साकशी में फंसी चुनावी रणनीति

सीट बंटवारे पर नहीं बनेगी बात, सबके अपने-अपने राग

- भाजपा और कांग्रेस 2024 चुनावों की तैयारी में
- इंडिया गठबंधन व एनडीए में मची उठापटक
- पंजाब में की राजनीति गर्म, अकाली दल का केजरीवाल और मान पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में राम मंदिर की शुरुआत के बाद 2024 लोक सभा चुनाव को लेकर सियासी रस्साकशी तेज हो गई है। जहां भाजपा ने चुनावों की तैयारी के लिए अपने नेताओं पर जिम्मेदारी डालने का ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया है वहीं कांग्रेस ने भी घटनाक्रम का अंदाजा लगाकर नई चुनावी रणनीति बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। वहीं बिहार में नीतीश एकबार फिर भाजपा के के साथ गलबहिंया करने को आतुर हो गए हैं। इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बजाय एक दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ सी चल पड़ी है। बंगाल में ममता कठोर हो रही हैं तो पंजाब में आप इंडिया गठबंधन को आंखे दिखा रही है। यूपी में भी सपा व कांग्रेस में तल्खी नर्म नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में अब जबकि चुनाव होने में मात्र में चार-पांच महीने ही रह गए है विपक्ष का इस तरह से बिखरा-बिखरा होना कहीं बीजेपी के लिए लाभकारी और इंडिया गठबंधन के लिए खतरा न बन जाए।

1995 से जेल में बंद खालिस्तानी कार्यकर्ता और टाडा दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर के भाग्य पर राजनीति नए सिरे से शुरू हो गई है। नई दिल्ली तिहाड़ जेल के सजा समीक्षा बोर्ड द्वारा समय से पहले रिहाई की उनकी अपील की नवीनतम अस्वीकृति पर अकाली दल और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, भुल्लर को 1993 में नई दिल्ली में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर हुए बम विस्फोट के लिए अगस्त 2001 में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से तत्कालीन युवा कांग्रेस प्रमुख एमएस बिट्टा को निशाना बनाना था। और नौ लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए थे। मार्च 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। 2011 में भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उसकी दया याचिका खारिज कर दी थी। तब से, यह सातवीं बार है जब भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका 2018 में दो बार, 2019 में एक बार और 2020 में तीन बार खारिज होने के बाद खारिज कर दी गई है। 2019 में, केंद्र ने गुरु नानक देव की 550वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान उनकी समयपूर्व रिहाई के लिए सहमति दी थी। लेकिन 2022 में उनकी रिहाई तीन बार टाली गई। अब, इसे तिहाड़ बोर्ड ने खारिज कर दिया है, जो उनके मामले में सक्षम प्राधिकारी है। अकाली, जिन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों (खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं सहित) का मामला उठाया है, केजरीवाल और आप को दोषी ठहरा रहे हैं, क्योंकि तिहाड़ सजा समीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष दिल्ली के जेल मंत्री कैलाश गहलोत हैं। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके कठपुतली (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान द्वारा मानवता के खिलाफ चौंकाने वाला जघन्य अपराध। प्रोफेसर दविंदरपाल सिंह भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका को खारिज करने के लिए एकजुट होकर, इन दोनों ने सिख संगत के घावों पर नमक छिड़का है। उन्होंने कहा,प्रोफेसर भुल्लर की खराब स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद उन्हें करीब 29 साल तक जेल में रखकर उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पंजाबियों को यह जानने का अधिकार है कि याचिका पिछले पांच वर्षों तक क्यों लंबित रखी गई और अब इसे क्यों खारिज कर दिया गया है। यह भुल्लर के मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

नीतीश को मनाने की कांग्रेस ने की कोशिश

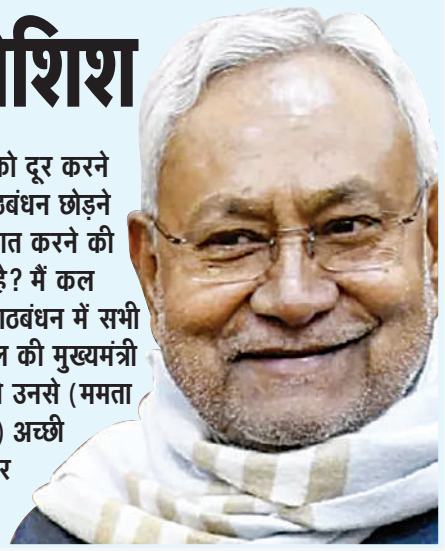

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पार्टी बिहार राजनीतिक संकट के बीच इंडिया ब्लॉक में मतभेदों को दूर करने की पूरी कोशिश करी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन छोड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। खड़गे ने यह भी कहा कि उन्होंने नीतीश कुमार को पत्र लिखा है और उनसे बात करने की कोशिश भी की है। कांग्रेस प्रमुख ने संवाददाताओं से कहा कि लेकिन मुझे नहीं पता कि नीतीश के मन में क्या है? मैं कल दिल्ली जाकर पूरी जानकारी लूंगा। देखते हैं क्या होता है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि कांग्रेस भारत गठबंधन में सभी को एकजुट करने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी से बात की है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मैंने उनसे (ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी से) कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है, तभी हम (आगामी लोकसभा चुनाव में) अच्छी लड़ाई दे सकते हैं। कांग्रेस प्रमुख ने आगे कहा कि जो कोई भी चाहता है कि भारत गठबंधन अच्छा काम करे और लोकतंत्र बचाया जाए। वह जल्दबाजी में निर्णय नहीं करेगा।

अकाली दल झूठ फैला रहा : आप

आप के मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कांग ने अकाली दल पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है, उन्होंने बताया कि सजा समीक्षा बोर्ड में सात सदस्य शामिल हैं, और गहलोत के अलावा, अन्य छह भाजपा से हैं, जो एक पुरानी अकाली सहयोगी है। कंग ने बोर्ड बैठक का हवाला देते हुए दावा किया कि केवल गहलोत ने भुल्लर की रिहाई का समर्थन किया था जबकि अन्य छह ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था। कंग ने यह भी कहा कि आप शासित पंजाब में भुल्लर के गृह जिले अमृतसर में पुलिस ने भुल्लर की समयपूर्व रिहाई के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया था। उन्होंने कहा, भुल्लर का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं है।

यूपी में सपा व कांग्रेस में बन सकती है बात

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन में सुगबुगाहट तेज हो गई है। तमाम पार्टियां किस सीट से अपने किस उम्मीदवार को उतारेगी इसे लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग को लेकर अब सबकुछ तय हो गया है। अखिलेश यादव ने इसका ऐलान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है. ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा। इंडिया की टीम और 'पीडीए की रणनीति इतिहास बदल देगी। बता दें कि यूपी में फिलहाल कांग्रेस के पास सिर्फ एक लोकसभा सीट है। इस सीट से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से सांसद हैं। बता दें कि इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने कुछ महीने पहले ही ये फैसला किया था कि वह अलग-अलग राज्यों में जिन सीट पर जो पार्टी ज्यादा मजबूत है उस सीट से उसी पार्टी के उम्मीदवार को उतारा जाएगा। साथ ही उस सीट से विपक्षी पार्टी का कोई भी उम्मीदवार मैदान में नहीं उतरेगा। इसी नियम के तहत अब यूपी में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को 11 सीटें देने का फैसला किया है।

भूपेश बघेल जाएंगे बिहार

बिहार में राजनीतिक हलचल तेज होने के बाद कांग्रेस भी अब एक्शन मोड में आ गई है। महागठबंधन के टूटने की चर्चाओं के बीच कांग्रेस अध्यक्ष ने एक बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा और अन्य पार्टी गतिविधियों के समन्वय के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। अब कांग्रेस ने भूपेश बघेल को बिहार भेजा है। वहीं, राजग भी सरकार बचाने में लगी है। नीतीश के पाला बदलने के बाद विपक्ष के इंडी गठबंधन पर भी सवालिया निशान लग जाएगा। दरअसल, नीतीश ने ही इंडी गठबंधन की पहल की थी और इसके लिए अहम भूमिका निभाई थी। अब अगर नीतीश भाजपा के साथ हाथ मिला लेते हैं तो इंडी गठबंधन बिखर सकता है।

बीजेपी ने 23 राज्यों के प्रभारी बनाए

2024 के लोकसभा चुनाव के घमासान के लिए बीजेपी एक्शन मोड में आ गई है। पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। शनिवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी है. इसमें बिहार, यूपी, पश्चिम बंगाल समेत 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए चुनाव प्रभारी और सह चुनाव प्रभारियों का नाम है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी बैजयंत पांडा को दी गई है। बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को प. बंगाल की जिम्मदारी सौंपी गई है। यहां उन्हें ममता बनर्जी के गढ़ में बीजेपी का कमल खिलाने का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं उनका साथ देने के लिए बीजेपी की आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय और आशा लकड़ा को सह प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया गया है। महेंद्र सिंह को मध्य प्रदेश का लोकसभा चुनाव प्रभारी और सतीश उपाध्याय को सह प्रभारी नियुक्त किया है। उत्तराखंड की कमान दुष्यंत कुमार गौतम संभालेंगे। केरल के लिए प्रकाश जावड़ेकर को लोकसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया है जबकि कर्नाटक के लिए राधा मोहन दास अग्रवाल प्रभारी होंगे और सुधाकर रेड्डी सह प्रभारी नियुक्त किए गए है। बिहार में जहां बीजेपी सत्ता में वापसी की तैयारी में है वहां लोकसभा चुनाव के लिए विनोद तावड़े को प्रभारी नियुक्त किया गया है. जबकि दीपक प्रकाश को सह प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह से हरियाणा के लिए विप्लव कुमार देव को प्रभारी और सुरेंद्र? नागर को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। झारखंड के लिए सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी को प्रभारी बनाया गया है। ओडिशा के लिए विजयपाल सिंह तोमर को प्रभारी नियुक्त किया गया है जबकि विधायक लता उसेंडी सह प्रभारी होंगे। पंजाब में विजय भाई रुपाणी को प्रभारी नियुक्त किया गया है और नरेंद्र सिंह सह प्रभारी होंगे. वही बात करें तमिलनाडु की तो अरविंद मेनन को प्रभारी और सुधाकर रेड्डी को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गणतंत्र मजबूत करें भारत के युवा

भारत के लोग हर साल 26 जनवरी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि 26 जनवरी को ही 1950 में भारतीय संविधान को एक लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ भारत देश में लागू किया गया था। कहा जाए तो 26 जनवरी को ही हमारे गणतंत्र का जन्म हुआ। और भारत देश एक गणतांत्रिक देश बना। हमारे देश को आजादी तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गयी थी, लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना और भारत देश में नए संविधान के जरिए कानून का राज स्थापित हुआ।

इसबार 26 जनवरी को पूरे देश ने अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। देश के हर हिस्से में धूमधाम से इसे मनाया गया । गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है। भारत के लोग हर साल 26 जनवरी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि 26 जनवरी को ही 1950 में भारतीय संविधान को एक लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ भारत देश में लागू किया गया था। कहा जाए तो 26 जनवरी को ही हमारे गणतंत्र का जन्म हुआ। और भारत देश एक गणतांत्रिक देश बना। हमारे देश को आजादी तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गयी थी, लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना और भारत देश में नए संविधान के जरिए कानून का राज स्थापित हुआ।

यह दिन उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी याद करने का दिन है, जिन्होंने अंग्रेजों से भारत को आजादी दिलाने के लिए वीरतापूर्ण संघर्ष किया। आज के दिन ही भारत ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की स्थापना के लिए उपनिवेशवाद पर विजय प्राप्त की। अगर देश के नागरिक संविधान में प्रतिष्ठापित बातों को अनुसरण करेंगे तो इससे देश में अधिक लोकतांत्रिक मूल्यों का उदय होगा। भारत का संविधान सबको समान अधिकार देता है, भारतीय संविधान किसी से भी जाति, धर्म, ऊंच-नीच और अमीरी-गरीबी के आधार पर कभी भी भेदभाव नहीं करता है। आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है। लेकिन आज भी देश काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है, और आज भी भारत के रूढ़िवादी समाज में हजारों कन्याओं की भ्रूण में हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बलात्कार के किस्से भारत देश में आम बात हैं। कई युवा (जिनमें भारी तादात में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीन कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा। तभी देश में अशिक्षा जैसे अँधेरे में शिक्षा रुपी दीपक को जलाकर उजाला किया जा सकता है। सभी इस गणतं9 दिवस पर संकल्प लेना चाहिए कि हमे एक अच्छा नागरिक बनना चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मालदीव का ड्रैगन के जाल से निकलना आसान नहीं होगा

योगेंद्र योगी

भारत का विरोध और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव के लिए चीन से रिश्ते पचाना इतना आसान नहीं हैं। चीन की अघोषित साम्राज्यवादी नीति का शिकार श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के कई देश हो चुके हैं। चीन ने इन देशों को आर्थिक रूप से जकड़ कर गुलाम बनाने में कसर बाकी नहीं रखी। भारत ने आर्थिक पैकेज देकर समय रहते श्रीलंका को चीन के हाथों नहीं बचाया होता तो यह देश कब का कंगाल हो गया होता। भारत के साथ विवाद के बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ बैठक की। इसके बाद दोनों देशों ने 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौते की आड़ में चीन न सिर्फ मालदीव को आर्थिक शिकंजे में कसेगा बल्कि अपनी सैन्य विस्तार की नीति को भी अंजाम देने से बाज नहीं आएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 जनवरी को लक्षद्वीप के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं।

इस पर मालदीव के तीन मंत्रियों की आपत्तिजनक बयानबाजी की। इन तस्वीरों पर मालदीव की मुइज्जू सरकार में मंत्री मरियम शिउना ने आपत्तिजनक ट्वीट किए थे। उन्होंने मोदी को इजरायल से जोड़ते हुए निशाने पर लिया था और लक्षद्वीप का भी मजाक उड़ाया था। इससे भारत में रोष की लहर फैल गई। सोशल मीडिया पर देश में बॉयकॉट मालदीव शुरू हो गया है और कई लोगों ने मालदीव के लिए फ्लाइट और होटल बुकिंग कैंसिल करवा दी। आम जनता से लेकर फिल्मी हस्तियां भी भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र के सपोर्ट में उतर आई। इस बीच मालदीव के कई दिग्गज नेताओं ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र और भारत का सपोर्ट किया और आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की। मामला बढ़ता देख मालदीव की सरकार ने कहा कि जो बातें सोशल मीडिया पर कही गईं वे निजी बयान हैं और इनका सरकार से कोई नाता नहीं।

घबराए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर मामले को ठंडा करने का प्रयास किया। इसके बावजूद देश में रोष बरकरार है। मुइज्जू ने चीन के फुजियान प्रांत में मंगलवार को राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित किया। यहां वह चीन के

सामने पर्यटक भेजने के लिए गिड़गिड़ाते नजर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि चीन अधिक पर्यटकों को भेजने के प्रयासों को तेज करे। मालदीव में 2023 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भारत विरोधी भावनाओं को उभारा गया और इस विषय पर दुष्प्रचार का प्रयास किया था। यूरोपीय संघ (ईयू) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) के सत्तारूढ़ गठबंधन ने दुष्प्रचार किया था। मालदीव के लिए यूरोपियन इलेक्शन ऑब्जरवेशन मिशन (ईयू ईओएम) ने पिछले साल नौ और 30 सितंबर को हुए दो दौर के चुनाव पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्तारूढ़ गठबंधन प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव और पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में भारत विरोधी भावनाओं को प्रमुखता दी और गलत सूचना फैलाने का प्रयास किया, जिससे मुइज्जू ने जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय अधिकारियों के निमंत्रण पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र में 11 सप्ताह के लंबे अवलोकन के बाद ईयू ईओएम ने कहा कि पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा चलाया गया अभियान राष्ट्र पर भारत के प्रभाव की आशंकाओं पर आधारित था। ईयू ईओएम पर्यवेक्षकों ने पीपीएम-पीएनसी की ओर से राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक भाषा के उदाहरण देखे हैं। इसमें कहा गया कि पार्टियों के अभियान में भारत विरोधी भावनाएं शामिल थीं। देश के अंदर भारतीय सैन्य कर्मियों की उपस्थिति के बारे में भी चिंता प्रकट की गई थी। इसके साथ ही ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान चलाए गए। ईयू मिशन ने उल्लेख किया कि राजनीतिक और प्रचार अभियान के तहत धन उगाहने और वित्तीय व्यय में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी का अभाव देखा गया।

ईयू ईओएम ने सरकारी मीडिया सहित मीडिया के राजनीतिक पक्षपात को भी दर्ज किया, जबकि इंटरनेट मीडिया में सूचना में हेरफेर के भी कुछ संकेत मिले। उस समय के मौजूदा राष्ट्रपति, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, पिछले साल फिर से चुनाव में उतरे थे। विपक्षी पीपीएम-पीएनसी गठबंधन द्वारा समर्थित पीएनसी के मोहम्मद मुइज्जू ने उन्हें हराकर 54 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। गौरतलब है कि भारत का प्रयास रहा है कि सभी पड़ौसी देशों से बराबरी के द्विपक्षीय रिश्ते कायम रहे।

पाक सियासत में हिंदू नारी से आशाएं

अरुण नैथानी

यूं तो अक्सर पाकिस्तान से हिंदू अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और धर्म परिवर्तन की ही खबरें आती हैं। लेकिन पिछले दिनों एक अच्छी खबर आई कि पहली बार किसी अल्पसंख्यक हिंदू बेटी को उत्तर पूर्वी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एक सीट से चुनाव लड़ने का मौका मिला है। सामान्य सीट से लड़ने वाली सवीरा पाक की पहली हिंदू महिला हैं। एक महिला का चुनाव लड़ना इस पिछड़े इलाके में अचरज जैसा है। ऐसा इलाका जहां महिलाएं कपड़ों से लिपटी ही पुरुषों के साथ घर से बाहर निकल सकती हैं। इतना ही नहीं, कई महिलाओं को वोट डालने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे इलाके में सवीरा घर-घर जाकर वोट के लिये संपर्क साध रही हैं। दरअसल, सवीरा को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बूनेर सीट से टिकट दिया है। आज गुमनाम बेनूर-सा बूनेर पूरे पाकिस्तान ही नहीं पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल, कुछ समय पूर्व तक बूनेर का इलाका पाक सेना व सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई से चर्चा में आया था। दरअसल, इस सदी के पहले दशक में चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने स्वात घाटी पर कब्जा कर लिया था। कालांतर तालिबान ने अपनी सीमा का विस्तार बूनेर तक कर लिया था। कई जगह कब्जा करके अपनी पोस्ट बना ली थी। जिसे खाली कराने के लिये सेना ने बूनेर में ऑपरेशन ब्लैक थंडरस्टॉर्म चलाया था। जो मीडिया की सुर्खियां बना था। लेकिन अब यह छोटा शहर सवीरा प्रकाश की ख्याति से चर्चाओं में है। वास्तव में स्वात घाटी के निकट स्थित बूनेर पश्तून बहुल इलाका है। पाकिस्तान की राजधानी से करीब सौ किलोमीटर दूर स्थित बूनेर कभी स्वात रियासत का हिस्सा था। सवीरा अब खुद को भी पख्तून संस्कृति का हिस्सा मानती है। जिसकी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं और रिवाज हैं। वह कहती है कि यह एक समावेशी समाज है जिसके चलते उनके परिवार को कभी किसी तरह के भेदभाव का शिकार नहीं होना पड़ा। जहां तक राजनीति में आने का सवाल है तो उन्हें घर में राजनीतिक रूप से जागरूकता का वातावरण मिला है। उनके पिता इलाके में एक चिकित्सक व समाजसेवी के रूप में पहचान रखते हैं। पिता सामाजिक कार्यों में तो संलग्न रहे ही हैं, साथ ही सक्रिय राजनीति में भी रहे हैं। वे पिछले तीन दशक से पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

यूं तो सवीरा पेशे से एक डॉक्टर हैं और सरकारी अस्पताल में सेवाएं दे रही हैं। लेकिन यह इलाका सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। उन्हें लगता है कि इस पिछड़े और आधी दुनिया के अंधेरे वाले समाज में वह सिर्फ चिकित्सक की भूमिका से सामाजिक बदलाव नहीं ला सकती है। वह कहती है कि इस इलाके के सामाजिक उत्थान के मकसद से वह राजनीति में आ रही है। उनका मानना है कि जब उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई शुरू की तो मकसद समाज के वंचित व कमजोर वर्गों के हितों का ही ध्यान था। राजनीति में आने का मकसद भी मानवीय सरोकार ही हैं। वह कहती हैं कि मुझे लगता था कि एक डॉक्टर की भूमिका में मैं वह बदलाव नहीं कर सकती, जो व्यापक सामाजिक बदलावों का वाहक बन सके। वह चाहती है कि इन लक्ष्यों के लिये हमें अपने सिस्टम में सुधार लाने की जरूरत है, जो राजनीतिक ताकत के जरिये ही हासिल किया जा सकता है।

दरअसल, सवीरा का भरोसा है कि क्षेत्र का प्रतिनिधि बनकर वह आधी दुनिया के वाजिब हकों को दिलाने में सक्षम होगी। वह क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का वे समाधान करना चाहती हैं। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में लड़कियों के आगे बढ़ने के मौके बहुत कम हैं। पहले तो उन्हें पढ़ने का अवसर ही नहीं मिलता। एक तो आर्थिक कमजोरी और दूसरा मानसिक गरीबी कि लड़की घर से बाहर न निकले। सवीरा इस लीक को तोड़ना चाहती है। सवीरा चाहती हैं कि लड़के-लड़कियां मदरसों से बाहर निकलकर आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर सकें। ताकि मां-बाप लड़कियों को घरों में काम करने के लिये भेजने के बजाय स्कूल भेजें। वैसे सवीरा की आगे की राह आसान भी नहीं है। वह लोगों से वोट मांगने नुक्कड़ सभाओं और बैठकों में जाती है तो असहज हो जाती है। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी नगण्य ही है। हालांकि कई सभाओं में वह अकेली महिला होने पर अजीब अनुभव करती है। लेकिन स्थानीय लोग इस परिवार के समाज के लिये योगदान के चलते सकारात्मक प्रतिसाद दे रहे हैं। राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से इतर लोग उन्हें समर्थन देने की बात कर रहे हैं।

उनके पिता का रसूख भी उनके काम आ रहा है। जिससे उनका मनोबल बढ़ा भी है। वह कहती है कि हम इसी मिट्टी में पले-बढ़े हैं। हमारे पूर्वजों ने विभाजन के बाद भारत जाने के बजाय इस धरती में रहना चुना। यहां समावेशी समाज ने हमें स्वीकार किया। वही लोग मेरे चुनाव लड़ने से खासे उत्साहित हैं। बहरहाल, अब सवीरा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं। जैसे-जैसे मतदान वाला महीना फरवरी करीब आ रहा है, सवीरा का विश्वास बढ़ रहा है। पहले चुनाव लड़ने को लेकर मन में कई तरह की आशंकाएं थीं। कई तरह के भय थे। लेकिन नामांकन कराने के बाद उसका डर कम हुआ है। उनके पिता सामाजिक जीवन और पीपुल्स पार्टी में तीन दशक से सक्रिय हैं। अन्य दलों के लोग भी पिता के कान में कह जाते हैं, चिंता मत करो बिटिया को वोट देंगे।

मुन्नार एक खुबसूरत हिल स्टेशन है

मुन्नार केरल की ऐसी हिल स्टेशन है, जहां खूबसूरती और शांति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। तो अगले दिन मुन्नार देखने निकल जाएं। मुन्नार समुद्र तल से 1,532 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मुन्नार की खूबसूरती आपको मोहित करने का कोई मौका नहीं छोड़ेगी। घूमने की शुरुआत आप नीलकुरिंजी से करें, जहां लगभग 40 से ज्यादा फूलों की प्रजातियां देखी जा सकती हैं। मुन्नार अपने चाय के बाग़ानों के लिए दुनियाभर में मशहूर है, तो इसे देखना तो बनता है। नेचर लवर्स के लिए तो ये जगह जन्नत से कम नहीं। इसके अलावा आप यहां जंगल सफारी का भी मजा ले सकते हैं क्योंकि यहां एराविकुलम नेशनल पार्क मौजूद है। सफारी के दौरान कई सारे जीव-जंतु देखने को मिलेंगे। इसके अलावा यहां का लक्कम झरना, रोज गार्डन और इको प्वाइंट भी शानदार जगहें हैं।

केरल

सर्दी में घूमने की बनाएं प्लानिंग

अगर आप लंबे समय से केरल घूमने का प्लान बना रहे हैं लेकिन किसी न किसी वजह से टल जा रहा है तो जनवरी है यहां घूमने के लिए एकदम बेस्ट क्योंकि इस महीने दो लॉन्ग वीकेंड हैं। जो घूमने-फिरने वालों के लिए किसी सुनहरे मौक की तरह होते हैं। जिसमें और दो से तीन दिन की छुट्टी लेकर आप लंबा वेकेशन प्लान कर सकते हैं और भारत की कुछ जगहें तो ऐसी हैं जहां घूमने के लिए हफ्ते 10 दिन का समय चाहिए होता है। केरल उन्हीं में से एक है और दूसरी बात कि इस जगह को घूमने का बेस्ट सीजन भी सर्दियां ही होती हैं, तो ज्यादा सोचे नहीं, बल्कि आने वाले वीकेंड में केरल जाने का बना लें प्लान। लेकिन केरल में ऐसी-ऐसी जगहें हैं जिसे एक बार तो एक्सप्लोर कर पाना संभव नहीं। ऐसे में कौन सी जगह कवर करें और किसे मिस करें...ये प्लानिंग करनी जरूरी है।

कब जाएं

केरल घूमने का बेस्ट सीजन सर्दियां हैं। वैसे आप बारिश के दौरान भी यहां जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। गर्मियों में यहां बिल्कुल प्लान न करें क्योंकि उस वक्त यहां चिपचिपी गर्मी होती है।

अलेप्पी

अलेप्पी की खूबसूरती ऐसी है मानो लगता है आप किताबों और पोस्टर की किसी सीनरी को साक्षात देख रहे हो। अलेप्पी को आलप्पुझा के नाम से भी जाना जाता है। इस जगह पर हाउस बोट में ठहरने का मौका मिस न करें और साथ ही बैकवाटर की सैर भी। वेम्बनाड झील को देखे बिना आपकी अलेप्पी की यात्रा अधूरी है।

कोवलम

अलेप्पी के बाद कोवलम की बारी आती है। अलेप्पी से कोवलम की दूरी मात्र 160 किमी. है। यहां तक पहुंचने के लिए आप ट्रेन या बस कुछ भी ले सकते हैं। त्रिवेन्द्रम से कोवलम सिर्फ़ 15 किमी. की दूरी पर है। कोवालम के बीच अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

कोच्चि

वैसे तो केरल की ज्यादातर जगहों पर आप बीच का दीदार कर सकते हैं, लेकिन कोच्ची के मरीन ड्राइव को देखना मिस न करें। इसके अलावा यहां का सैंट फ्रांसिस चर्च और मट्टनचेरी पैलेस, बोलगटी पैलेस, वीरनपुझा झील भी देखने वाली जगहें हैं।

थेक्कडी

थेक्कड़ी में सबसे पहले पेरियार लेक निपटा लें। जहां आप बोट राइड के मजे ले सकते हैं। यहां की दूसरी सबसे शानदार जगह है पेरियार नेशनल पार्क। पेरियार नदी के तट पर स्थित ये पार्क चीतों का घर है, लेकिन सफारी के दौरान आप और भी कई तरह के जानवर देख सकते हैं। इसके अलावा यहां मंगला देवी मंदिर, कुमीली और मुरीक्कडी भी जा सकते हैं।

हंसना मना है

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी, पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दो, गप्पू- मुझे पता है मैं बताता हूं गप्पू- ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें।

गप्पू टीचर से- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर - वो कैसे? गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

हसबैंड- डार्लिंग तुम खुबसूरत होती जा रही हो, पत्नी किचन से- तुमने कैसे जाना? हसबैंड- तुम्हें देखकर तो अब रोटियां भी जलने लगी हैं।

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

टीचर- Date और तारीख में क्या अंतर है? सारी Class चुप, गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते है और तारीख में वकील के साथ, टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?

कहानी | सूर्य और वायु

एक बार की बात है, एक दिन सूर्य और हवा में अचानक विवाद होने लगा। दोनों इस बात पर बहस करने लगें की उन दोनों में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है। वायु बड़ी ही घमंडी और जिद्दी स्वाभाव की थी। उसे अपनी शक्ति पर बड़ा ही गुरूर था। उसका मानना था कि वह अगर तेज गति से बहने लगे, तो बड़े-बड़े पेड़ों को उखाड़ सकती है। उसमें मौजूद आर्द्रता नदियों और झीलों के पानी को भी जमा सकती है। अपने इसी घमंड के चलते वायु ने सूर्य से बहस करते हुए कहा- मैं तुमसे ज्यादा शक्तिशाली हूं। मैं चाहूं तो किसी को भी अपने झोंके से हिला सकती हूं। सूर्य ने हवा की बात मानने से इंकार कर दिया और कहा बड़े ही शांत तरीके से कहा - देखो कभी भी अपने पर घमंड नहीं करना चाहिए। हवा यह सुनकर चिढ़ गई और खुद को ज्यादा शक्तिशाली बताती रही। इस पर दोनों आपस में बहस कर ही रहे थे कि उन्हें तभी रास्ते में एक आदमी दिखाई दिया। उस आदमी ने कोट पहना हुआ था। उसे देखकर सूर्य के मन में एक योजना आई। उसने हवा से कहा- जो भी इस आदमी को उसका कोट उतारने के लिए मजबूर कर देगा, उसे ही अधिक शक्तिशाली माना जाएगा। हवा ने बात मान ली और कहा- ठीक है। सबसे पहले मैं कोशिश करूंगी। तब तक तुम बादलों में छिप जाओ। सूर्य बादलों के पीछे छिप गया। फिर हवा बहने लगी। वह धीमे-धीमे बहने लगी, लेकिन उस आदमी ने अपना कोट नहीं उतारा। फिर वह तेजी से बहने लगी। हवा तेज होने की वजह से उस आदमी को ठंड लगने लगी और उसने अपने कोट से शरीर को अच्छे से लपेट लिया। बहुत देर तक ठंडी और तेज हवा बहती रही, लेकिन उस आदमी ने अपना कोट नहीं उतारा। अंत में हवा थककर शांत हो गई। इसके बाद सूर्य की बारी आई। वह बादलों से बाहर निकला और हल्की धूप करके चमकने लगा। हल्की धूप होते ही उस व्यक्ति को ठंड के तापमान से थोड़ी राहत मिली, तो उसने अपना कोट ढीला कर दिया। इसके बाद फिर सूर्य तेजी से चमकने लगा और तेज धूप निकल गई। तेज धूप होते ही आदमी को गर्मी लगने लगी और उसने अपना कोट उतार दिया। जब हवा ने यह देखा, तो वह खुद पर शर्मिंदा होने लगी और उसने सूर्य के सामने अपनी हार मान ली। इस तरह घमंडी वायु का अंहकार भी टूट गया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें।

धनु बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुम्भ कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

हिंदी रोमांटिक फिल्में न मिलने से मायूस हैं मृणाल

मृणाल ठाकुर ने छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक का सफर पूरा किया है। बॉलीवुड से लेकर साउथ कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकीं मृणाल ठाकुर ने आज अपना एक मुकाम हासिल किया है। इस वक्त एक्ट्रेस अपने एक बयान को लेकर लाइमलाइट में आ गई हैं। तेलुगु स्टार नानी के साथ मृणाल के रोमांटिक ड्रामा हाय नन्ना को काफी पसंद किया जा रहा है। सीता रामम की लव स्टोरी के बाद उन्हें क्वीन ऑफ रोमांस कहा जाने लगा। मृणाल ठाकुर ने बहुत कम समय में अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ में भी एक्ट्रेस की फैन फॉलोविंग खासी देखने को मिल रही है। हाल ही में एक्ट्रेस मीडिया से बातचीत के लिए सामने आई और कई खुलासे किए हैं। मृणाल ने बताया कि फिल्म में उनका किरदार काफी मजेदार है। लेकिन वो इस बात से बहुत परेशान हैं कि उन्हें हिंदी की रोमांटिक फिल्में नहीं मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शायद मैं अभी भी कोई गलती कर रही हूं। मृणाल ठाकुर ने इस बारे में मीडिया के साथ एक बातचीत में तंज करते हुए कहा, पता नहीं, शायद मैं अभी लव स्टोरी मिलने लायक पॉपुलर नहीं हुई हूं। गलत कह रही हूं? मृणाल ने आगे कहा कि हिंदी फिल्में तो बहुत ऑफर होती हैं, मगर रोमांटिक कहानियां नहीं। जबकि, उन्हें ऐसी फिल्में करने में बहुत मजा आता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं पता, लेकिन मैं फिल्ममेकर्स के आगे खुद को साबित करते-करते थक चुकी हूं। मैं चाहती हूं कि ये अब अपने आप हो, मैं अब खुद से ये पूछना बंद कर चुकी हूं। मृणाल आगे बताया कि वो रोमांटिक फिल्में देखते हुए बड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि लोग ऐसा दिखाते हैं कि उन्हें रोमांस पसंद नहीं है, मगर छुप-छुप कर देखते हैं। क्वीन ऑफ रोमांस कही जाने वाली मृणाल ने कहा, मैं खुश हूं कि हाय नन्ना और सीता रामम पॉपुलर हुई। मैं बहुत भावुक हो गई थी जब मुझे क्वीन ऑफ रोमांस कहा गया क्योंकि शाहरुख खान को किंग ऑफ रोमांस कहा जाता है। मृणाल ने 2018 में आई फिल्म लव सोनिया से हिंदी डेब्यू किया था। मनोज बाजपेयी के साथ उनकी इस फिल्म को बहुत सराहा गया था और इसे कई फिल्म फेस्टिवल्स में अवार्ड भी मिले थे। हिंदी में उन्होंने बाटला हाउस, तूफान और जर्सी जैसी फिल्में की हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर बहुत कामयाब नहीं रहीं।

आइकॉनिक यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित हुईं कृति सेनन

कृति सेनन आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम करके अपनी अलग पहचान बनाई है। पिछले साल कृति को उनकी फिल्म मिमी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। नैशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन अब उन कलाकारों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं जिन्हें आइकॉनिक यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है।

कृति सेनन को आइकॉनिक यूएई गोल्डन वीजा से सम्मानित किया गया है। इससे पहले शाहरुख खान, रणवीर सिंह और कई फेमस भारतीय फिल्म हस्तियों को ये सम्मान मिल चुका है। इसी के साथ कृति भी इस रैंक में शामिल हो गई हैं। कृति सेनन को ईसीएच डिजिटल सीईओ इकबाल मार्कोनी से गोल्डन वीजा मिला। अपना ग्रेटिट्यूड जाहिर करते हुए एक्ट ने कमेंट किया की, यूएई गोल्डन वीजा प्राप्त करना सम्मान की बात है। दुबई के लिए मेरे दिल में एक स्पेशल जगह है और मैं इसके वाइब्रेंट कल्चरल लैंडस्केप का हिस्सा बनने के लिए एक्साइटेड हूं। संयुक्त अरब अमीरात में गोल्डन वीजा की शुरुआत 2019 में हुई थी। गोल्डन वीजा सिस्टम लॉन्ग टर्म रेजिडेंस की सुविधा देती है। इस वीजा के मिलने के बाद विदेशियों को नेशनल स्पॉन्सर के बिना और उनके 100 प्रतिशत स्वामित्व के साथ यूएई में रहने, काम करने और स्टडी करने की सुविधा मिलती है। ये गोल्डन वीजा वहां लंबे समय तक या बसने की भी इजाजत देता है।

बता दें कि कृति सेनन से पहले, शाहरुख खान एंड फैमिली, संजय दत्त, सानिया मिर्जा, बोनी कपूर और अर्जुन कपूर, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर और अंशुला कपूर, संजय कपूर, वरुण धवन, रणवीर सिंह, कमल हासन, मोहनलाल, ममूटी सहित कई हस्तियों को ये वीजा दिया जा चुका है। वहीं दुलकर सलमान, मौनी रॉय, उर्वशी रौतेला, सुनील शेट्टी, नेहा कक्कड़, फराह खान, सोनू सूद, टोविनो थॉमस और अमला पॉल को भी गोल्डन वीजा मिल चुका है।

चिरंजीवी को पद्म विभूषण मिलने पर लगा बधाइयों का तांता

पद्म विभूषण से सम्मानित चिरंजीवी को फिल्म निर्माता एसएस राजामौली और अभिनेता एनटीआर जूनियर ने बधाई दी है, और कहा है कि उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पीढ़ियों को प्रेरित करती है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री, के रूप में प्रदान किए जाते हैं।

एक्स पर आरआरआर निर्देशक ने लिखा, एक लड़का भारत में दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार का प्राप्तकर्ता बनने के लिए पुनाधिरल्लू के लिए पहला पत्थर रखा, आपकी यात्रा पीढ़ियों को प्रेरित करती है चिरंजीवी गारू, पद्म विभूषण मिलने पर बधाई।

सुब्बू, आदि, नागा, आरआरआर में अपने काम से पहचान बनाने वाले एनटीआर जूनियर ने लिखा, पद्म विभूषण प्राप्त करने पर एम वेंकैया नायडू और चिरंजीवी को बधाई, साथ ही, पद्म पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी लोगों को बधाई। आपकी उल्लेखनीय उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। चिरंजीवी को 2006 में पद्म भूषण भी मिल चुका है। इस साल पद्म भूषण मिथुन चक्रवर्ती, प्यारेलाल शर्मा और उषा उथुप को दिया गया है। चिरंजीवी अगली बार विश्वंभरा और मेगा 157 में दिखाई देंगे। उन्होंने पिछली बार तेलुगु एक्शन ड्रामा भोला शंकर में अभिनय किया था।

अजब-गजब | 1882 में शुरू हुआ था इस सगरादा फमिलिया का निर्माण

141 साल से बन रहा ये चर्च, फिर भी पूरा नहीं हो पाया काम

स्पेन के बार्सिलोना में सगरादा फमिलिया एक रोमन कैथोलिक चर्च है, जिसे बसिलिका आई टेंपल एक्सपियातोरी डे ला सगरादा फमिलिया के नाम से भी जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये चर्च 141 साल से बन रहा है, फिर भी इसका काम पूरा नहीं हो पाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2026 या 2032 तक इसके पूरे होने की उम्मीद है। यह दुनिया का सबसे बड़ा निर्माणाधीन कैथोलिक चर्च है। अब वायरल हो रहे एक वीडियो पूरी इमारत की झलक दिखी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स (पहले ट्विटर) पर इस चर्च का वीडियो @Rainmaker नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'सगरादा फमिलिया का निर्माण 1882 में शुरू हुआ और इसके 2026 तक पूरा होने का अनुमान है। पूरी बनने पर यह बिल्डिंग कुछ इस तरह की दिखेगी।' बता दें कि यह चर्च स्पेन के इक्साम्पल जिले में स्थित है।

19 मार्च 1882 को इस चर्च का निर्माण शुरू हुआ था जिसका निर्माण कई कारणों से अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। हालांकि पूरा होने पर यह यूरोप की सबसे ऊंची धार्मिक इमारत होगी। चर्च को एंटोनी गौडी (1852-1926) द्वारा डिजाइन किया गया था, लेकिन बाद में इसकी डिजाइन में बदलाव किया गया। यह चर्च यूनेस्को की वर्ल्ड हेरीटेज साइट की सूची में शामिल है।

सगरादा फमिलिया 1882 से निर्माणाधीन है और इसके 2026 या 2032 तक पूरा होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। डिजाइन में परिवर्तन, फंडिंग की चुनौतियां, बाहरी घटनाएं, द स्पैनिश सिविल वॉर और कोविड-19 महामारी कुछ ऐसे कारण हैं, जिनकी वजह से ये चर्च अभी तक नहीं बन पाया है। अब चर्च को दान और टिकट शुल्क से मिले पैसों से बनाया जा रहा है।

अधूरा होने के बावजूद, अभी भी इसके कोने-कोने से भव्यता झलती है। इसे वास्तुकला का एक बेहतरीन नमूना माना जाता है। यह बार्सिलोना के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक है और स्पेन में सबसे अधिक देखा जाने वाला स्थल है। क्रिसमस पर इस चर्च की और इसके बन चुके टॉवरों की सजावट देखते ही बनती है।

ये हैं भारत की सबसे ठंडी जगहें, जहां -40 डिग्री तक चला जाता है तापमान

सियाचिन न केवल भारत के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, बल्कि उत्तरी ध्रुव की सबसे ठंडी जगहों में भी इसका नाम आता है। कई बार यहां का न्यूनतम तापमान -40 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है। यहां तक कि गर्मियों में भी यहां तापमान-0 डिग्री सेल्सियस रहता है।

दूसरे नंबर पर तवांग का सेला पास इलाका आता है। अरुणाचल प्रदेश के इस खूबसूरत इलाके में खूब ठंड पड़ती है। यहां तापमान -15 डिग्री तक चला जाता है। लेकिन ये इतना मनोरम है कि अक्टूबर, नवंबर, मार्च, अप्रैल और मई के महीने में लोग इसे देखने के लिए जाते हैं। तब यहां बर्फ कुछ कम होती है। लेह लद्दाख के बारे में आपने पढ़ा होगा। यहां गर्मी के दिनों में भी तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है। सर्दी के दिनों में तो कई बार यहां टेंपरेचर -12 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे रहता है। यहां स्नोफॉल बहुत ज्यादा होता है, जिसका मजा लेने के लिए दूर-दूर से सैलानी आते हैं। चौथे नंबर पर कीलॉन्ग का जिक्र आता है। समुद्र तल से लगभग 3340 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह बर्फीले पहाड़ों से घिरी हुई है। अक्सर यहां का तापमान -2 डिग्री से भी नीचे चला जाता है। यहां मनाली, लेह जाने वाले काफी टूरिस्ट आते हैं। लाचेन और थांगु घाटी भी भारत की सबसे ठंडी जगहों में से एक हैं। यहां तापमान अक्सर शून्य से नीचे चला जाता है। 2,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस जगह को देखने के लिए दुनियाभर से सैलानी आते हैं। यहां भारी स्नोफॉल कंपा देने वाला होता है। कारगिल और द्रास अपने खूबसूरत नजारों और बर्फीले पहाड़ों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां भी तापमान अक्सर शून्य से नीचे चला जाता है। लद्दाख का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले द्रास में तो भयंकर स्नोफॉल होता है।

विपक्ष का नीतीश कुमार पर तीखा प्रहार

» नौवीं बार बनाई दलबदलू सरकार, पूरा विपक्ष बोला- जनता देगी विश्वाससघात का माकूल जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और इंडिया गठबंधन की अन्य पार्टियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन से विश्वासघात करने के लिए आलोचना की। कुछ विपक्षी दलों ने उन्हें बार-बार पाला बदलने के लिए गिरगिट और पलटू राम तक करार दिया।

नीतीश कुमार ने राजद और कांग्रेस के महागठबंधन से नाता तोड़कर कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर सरकार बना ली। विपक्षी पार्टियों ने चेतावनी दी कि बिहार के लोग नीतीश कुमार और भाजपा को करारा जवाब देंगे। भाजपा ने हालांकि कहा कि नीतीश कुमार के साथ उसका गठबंधन स्वाभाविक था। पार्टी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन सरकार से बिहार को फायदा होगा। पार्टी नेताओं ने यह भी दावा किया कि इंडिया गठबंधन बिखर जाएगा क्योंकि उसका कोई वैचारिक आधार नहीं है।

बिहार तरक्की करेगा : नड्डा

भाजपा प्रमुख जे पी नड्डा ने कहा कि कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार उज्ज्वल बिहार बनाएगी। उन्होंने कहा, बिहार के लोगों ने पिछले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के साथ हमारे असली गठबंधन को जनादेश दिया था। जब भी हम एकसाथ सत्ता में रहे है, बिहार को फायदा हुआ है, चाहे वह कानून और व्यवस्था के मामले में हो या आर्थिक विकास के मामले में। अब बिहार फिर से ऐसा करेगा।

कांग्रेस की वजह से टूटा गठबंधन : त्यागी

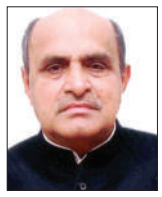

वही दूसरी ओर जद (यू) ने बिहार में विपक्षी इंडिया गठबंधन के टूटने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इसके नेता अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगे थे, विपक्षी गठबंधन को नहीं। जदयू के प्रवक्ता के. सी. त्यागी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस के भीतर का एक गुट इंडिया गठबंधन का नेतृत्व हथियाना चाहता था और साजिश के तहत नेता मल्लिकार्जुन खरगे का नाम गठबंधन के अध्यक्ष के तौर पर प्रस्तावित किया गया। जदयू के एक अन्य प्रवक्ता राजीव रंजन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश में खुद को डुबो दिया जिसमें कोई योग्यता नहीं है और विपक्षी गठबंधन को नुकसान पहुंचाता है। माना जा रहा है कि उनका निशाना राहुल गांधी पर था। रंजन ने कांग्रेस को भस्मासुर (पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा राक्षस जो जिसे भी छूता था, वह भस्म हो जाता था) करार दिया।

लोस चुनाव में जदयू खत्म : तेजस्वी यादव

नीतीश नीत पूर्ववर्ती सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे एवं राजद नेता तेजस्वी यादव ने यहां तक कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) लोकसभा चुनाव में समाप्त होने के लिए पूरी तरह तैयार है। राजद नेता तेजस्वी ने नीतीश कुमार को सम्मानित लेकिन थका हुआ नेता बताया और भाजपा को चेतावनी दी कि कुमार को सहयोगियों के साथ श्रेय साझा करना पसंद नहीं है। यादव ने कहा, ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार को हमारी सरकार की कई उपलब्धियों का श्रेय मुझे मिलने से दिक्कत थी। यह भाजपा के लिए खतरे की घंटी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, नीतीश जी पाला बदलने के लिए चाहे जो भी बहाने बनाएं, लोकसभा चुनाव में उनकी जद (यू) खत्म होने वाली है।

राजनीतिक अवसरवादिता : सौगत रॉय

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने बार-बार पाला बदलने के लिए नीतीश कुमार की आलोचना की है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि लोग ऐसी अवसरवादिता का माकूल जवाब देंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने कहा, नीतीश कुमार नियमित अंतराल पर पाला बदलने के लिए जाने जाते है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन को छोड़ने का फैसला किया है और उनके राजग में शामिल होने की संभावना है। जनता ऐसी राजनीतिक अवसरवादिता का करारा जवाब देगी।

आया राम-गया राम जैसे कई लोग : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जैसे कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि वे जानते थे कि कुमार पाला बदल सकते है। खरगे ने कहा कि वह महागठबंधन छोड़ने के कुमार के फैसले के बारे में पहले से जानते थे लेकिन उन्होंने इंडिया को बरकरार रखने के लिए कुछ नहीं कहा। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, देश में आया राम-गया राम जैसे कई लोग है। पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे। जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (भाकपा-माले) ने कुमार पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया। भाकपा-माले ने महागठबंधन सरकार को बाहर से समर्थन दिया था।

गिरगिट को भी मात देते हैं नीतीश : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और पाला बदलने के लिए नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हे विश्वासघात करने में माहिर करार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) बनाने में अहम भूमिका निभाने वाला ही उसे धोखा देकर भाजपा-नीत राजग में शामिल हो रहा है। रमेश ने टिप्पणी की कि राजनीतिक रंग बदलने की कुमार की प्रवृत्ति गिरगिट को भी मात देती है। उन्होंने कहा कि बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल सोमवार को राज्य में प्रवेश करने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा से ध्यान भटकाने की एक रणनीति है। रमेश ने उन दावों को खारिज कर दिया कि कुमार के बाहर निकलने से विपक्षी गठबंधन इंडिया कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे गठबंधन केवल मजबूत होगा, जैसा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी कहा है। उन्होंने कहा, कुछ दिनों तक सुर्खियों में रहने के अलावा इसका कोई असर नहीं होगा।

नीतीश कुमार धूर्त और सिद्धांतहीन नेता : थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बिहार में महागठबंधन से नाता तोड़ने को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार पर को कटाक्ष करते हुए उन्हें एक धूर्त और सिद्धांतहीन राजनीतिक नेता करार दिया।

थरूर ने 2017 का अपना सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया, जब कुमार बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की साझेदारी वाले महागठबंधन से अलग हो गए थे और लंबे समय तक तकरार रहने के बावजूद फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिला लिया था। थरूर ने 2017 में ट्वीट किया था, आज का शब्दउ स्नोलीगोस्टर अमेरिका में इसका अभिप्राय एक धूर्त, सिद्धांतहीन राजनीतिक नेता है। इसका पहला ज्ञात उपयोग 1845 में हुआ था और सबसे हालिया उपयोग 261712017 में हुआ। कांग्रेस सांसद ने अपने इस पुराने पोस्ट को टैग करते हुए रविवार को एक्स पर कहा, यह एहसास नहीं था कि एक और दिन इस शब्द का इस्तेमाल होगा - स्नोलीगोस्टर। हालांकि, उन्होंने नीतीश कुमार का नाम नहीं लिया। थरूर, कठिन अंग्रेजी शब्दों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पहले भी स्नोलीगोस्टर शब्द का उपयोग किया है। वर्ष 2017 में, उन्होंने नीतीश के पाला बदलकर भाजपा के साथ जाने के संदर्भ में यह शब्द ट्वीट किया था।

नीतीश पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का जोरदार हमला

कूड़ा गया फिर से कूड़ेदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीतिक उथलपुथल के बीच मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले जनता दल (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा, कूड़ा गया फिर से कूड़ेदानी में, कूड़ा मंडली को बदबूदार कूड़ा मुबारक।

नीतीश कुमार ने यह कहते हुए बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया कि 18 महीने से भी कम समय पहले वह जिस महागठबंधन और विपक्षी गुट इंडिया में शामिल हुए थे, उसमें उनके लिए स्थितियां ठीक नहीं लगीं और चीजें अच्छी तरह से काम नहीं कर रही थीं। आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक

कचरा वाहन की तस्वीर साझा करते हुए कहा, कूड़ा गया फिर से कूड़ेदानी में - कूड़ा मंडली को बदबूदार कूड़ा मुबारक। रोहिणी ने अपने एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नीतीश के बिहार विधानसभा में महिला को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी पर दिए गए बयान को साझा करते हुए कहा, थूककर चाटने वाले नेता खुद को ना समझे सूरज जैसा...। उन्होंने अपने भाई और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, जनता जनार्दन के बीच जाएंगे, खुद के साथ-साथ बिहार का हौसला भी बढ़ाएंगे। इससे पहले उन्होंने बृहस्पतिवार को भी नीतीश कुमार पर परोक्ष रूप से विवादित टिप्पणी की थी और बाद में उस पोस्ट को डिलीट कर दिया था।

बाद में राजद ने दावा किया था कि रोहिणी के सोशल मीडिया पोस्ट का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी थे, न कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

टॉम के कहर से बिखर गई टीम इंडिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 28 रनों से जीता

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में चौथे दिन भारतीय बल्लेबाज अंग्रेजी टीम के सामने पूरी तरह से बेबस नजर आए। भारत के 7 विकेट गिर चुके थे और जीत के लिए 100 की जरूरत थी। भारत के मुख्य ऑलराउंडर को चोट का डर सताने लगा। पवेलियन की ओर वापस जाते हुए जडेजा को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव होने लगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज थोड़े परेशान दिखे।

डेब्यू मैच में टॉम हार्टली ने भारतीय बल्लेबाजों की कमर तोड़ी और 7 विकेट अपने नाम किए। टीम इंडिया ने 119 रन की अंदर अपने 7 विकेट गंवाए। इस बीच भारत के मुख्य ऑलराउंडर को चोट का डर सताने लगा। पहली पारी में 87 रन की शानदार पारी खेलने के बाद जडेजा दूसरी पारी में अपना जलवा नहीं बिखेर सके क्योंकि वह 2 पर रन-आउट होकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 28 रनों से जीता। मिड में कप्तान बेन स्टोक्स फील्डिंग कर रहे थे और जडेजा ने गेंद को इसी तरफ मारा। इस बीच वे रन लेने के लिए भागने लगे, लेकिन क्रीज तक नहीं पहुंच सके। ऐसे में स्टोक्स ने गेंद को जल्द पकड़कर स्टंप्स पर मार दिया परिणामस्वरूप जडेजा को पवेलियन लौटना पड़ा।

अंडर-19 विश्वकप के सुपर-सिक्स में पहुंचा भारत

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने लगातार तीसरी जीत दर्ज कर सुपर सिक्स में जगह बना ली है। खेले गए मुकाबले में भारत ने अमेरिका को 201 रन से शिकस्त दी। भारत ने यूएसए को 327 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में अमेरिका 125 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की शुरुआत बेहद खराब रही। दो के स्कोर पर टीम को पहला झटका लगा। प्रणव 2 रन बनाकर राज लिंबानी का शिकार बना। नमन तिवारी ने भव्या मेहता को शून्य पर पवेलियन की राह दिखाई। सिद्धार्थ कप्पा 18 रन बनाकर प्रियांशु मोलिया का शिकार बने। कप्तान ऋषि रमेश मात्र 8 रन बनाकर नमन तिवारी का दूसरा शिकार बने। उत्कर्ष श्रीवास्तव ने 73 गेंद पर 40 रन की पारी खेल कर कुछ हद तक हार के अंतर को कम करने की कोशिश की। हालांकि नमन तिवारी ने उत्कर्ष के रूप में अपना तीसरा शिकार किया। अमोघ अरेपल्ली 27 रन बनाकर नाबाद रहे। अमेरिका 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 125 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से नमन तिवारी ने चार विकेट चटकाए।

अन्याय के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करे बंगाल : राहुल गांधी

बोले- गरीबों और युवाओं के हितों को नजरअंदाज कर रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया में मतभेदों के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगाल और बंगालियों से देश में व्याप्त अन्याय के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने का आह्वान किया।

गांधी ने यह बयान उत्तर बंगाल में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान दिया। गांधी का यह बयान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की इस घोषणा के बाद आया है कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले ही लड़ेगी। गांधी ने पश्चिम बंगाल में अपने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, बंगाल एक विशेष स्थान रखता है। इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व किया था। यह बंगाल और बंगालियों का कर्तव्य है कि वे नफरत के खिलाफ लड़ने का एक रास्ता दिखाएं और वर्तमान परिस्थितियों में एकता को बढ़ावा दें और नफरत को रोकें।

क्षेत्रवाद कर रहे राहुल : भाजपा

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता ने गांधी की टिप्पणी को विभाजनकारी बताते हुए उसकी आलोचना की और कहा, यह आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी कैसे इस तरह की टिप्पणी कर सकते हैं, जो क्षेत्रवाद की ओर इशारा करती है, यह एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता से अप्रत्याशित है।

टीएमसी ही भाजपा को रोकेगी : सेन

राहुल गांधी की टिप्पणी पर टीएमसी और अन्य राजनीतिक दलों की ओर से प्रतिक्रियाएं आयीं। टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने कहा, ''हां, वह सही हैं कि बंगाल ऐतिहासिक रूप से निर्णायक आंदोलनों में सबसे आगे रहा है, खासकर अंग्रेजी शासन के खिलाफ, ममता बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रोक दिया और विपक्षी गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, हालांकि, वह बंगाल कांग्रेस नेतृत्व था, जिसने राज्य में भाजपा के साथ समझौता किया।

सरकारी जमीन पर भगवा के बजाय राष्ट्रीयध्वज फहराया जाए : सिद्धारमैया

» कर्नाटक में अब हनुमान पर छिड़ा बवाल

» मुख्यमंत्री पर भड़की बीजेपी व जेडीएस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हनुमान ध्वज हटाए जाने के प्रशासन के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर मौजूद पोल पर भगवा के बजाय राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज की जगह भगवा झंडा फहराना सही नहीं है। उधर कर्नाटक के मांड्या में हनुमान ध्वज फहराने का मामला गर्माता जा रहा है। इस घटना को लेकर जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है। प्रशासन ने मांड्या के केरागोडु गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है।

कर्नाटक के मांड्या जिले के केरागोडु गांव में 108 फुट ऊंचे हनुमान ध्वज को ग्राम पंचायत बोर्ड की जमीन पर लगा दिया गया था, जिसके बाद प्रशासन द्वारा ध्वज पोल से भगवा झंडा हटाया गया। हालांकि, जिला प्रशासन के इस फैसले के विरोध में बीजेपी-जेडीएस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी-जेडीएस के प्रदर्शन को देखते हुए कर्नाटक पुलिस बल मौके पर मौजूद है। वहीं, विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धारमैया सरकार के इस फैसले की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर राम विरोधी और हनुमान विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राम और हनुमान मंदिर के खिलाफ है। वे ऐसा लोकसभा चुनाव के कारण कर रहे हैं, उन्होंने राम मंदिर उद्घाटन के दौरान भी ऐसा ही किया था। मैं इसका विरोध करता हूं और मैं मंड्या जाकर विरोध दर्ज कराऊंगा, कांग्रेस हिंदुओं को भड़का रही है।

जाति प्रमाणपत्र घोटाले से संबंधित याचिकाएं अब खुद सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

» एमबीबीएस दाखिले में तीन सप्ताह में दलीलें पूरी करने के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एमबीबीएस की आरक्षित श्रेणी की सीट के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में अनियमितताओं के आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के मुद्दे पर कलकत्ता उच्च न्यायालय की दो पीठ में टकराव से संबंधित याचिकाएं सोमवार को अपने हाथ में ले लीं।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि उसने इस मुद्दे से संबंधित सभी मामलों को अपने हाथ में लेने का फैसला किया है और तीन सप्ताह की अवधि में दलीलें पूरी करने का निर्देश दिया है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे। पीठ ने कहा, ''हम याचिकाओं को ठीक तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध करेंगे। शीर्ष अदालत की पीठ पहले इस विवाद को निपटाने के लिए 27 जनवरी को अवकाश के दिन बैठी थी, जहां एक असहमत न्यायाधीश ने खंडपीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया था जिसने उनके निर्देश को रद्द कर दिया था।

कार को वाहन ने मारी टक्कर, पांच की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रुप से घायल है। हादसे के शिकार लोग जिस कार से यात्रा कर रहे थे उसमें तेज गति से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना उस समय हुई जब परिवार के सभी सदस्य पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश की यात्रा के बाद रविवार देर रात एक कार में अपने गांव लौट रहे थे। जिले के मिर्यालगुडा के पास राजमार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहे वाहन ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक महिला बुरी तरह घायल है। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

फोटो : 4 पीएम

मांग 68500 शिक्षक भर्ती में ओबीसी विकलांगों को पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर शिक्षामंत्री संदीप सिंह के सरकारी आवास के बाहर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। जिन्हें बाद में पुलिस ने हिरासत में लेकर धरना स्थल भेज दिया।

यूपी में बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

अभी जारी रहेगी उत्तर भारत में शीतलहर, पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई राज्य इस समय कड़ाके की ठंड के चपेट में हैं। कड़कड़ाती ठंड ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। हर तरफ लोग आग और अलाव जलाकर अपना दिन काटने को मजबूर हो चुके हैं। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में भीषण शीत लहर और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने 29 जनवरी से 3 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में भारी बारिश की चेतावनी भी दी है।

हालांकि, यह भी कहा गया है कि आने वाले हफ्ते में लोगों को इस ठंड से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि दिल्ली, यूपी, बिहार और राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों को राहत मिलने वाली है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ी क्षेत्रों जैसे जम्मू, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 3 फरवरी तक हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। कश्मीर में 30 और 31 जनवरी, वहीं हिमाचल प्रदेश में 31 जनवरी को भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। उत्तर भारत के लोगों को भी बारिश का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, मौसम विभाग के मुताबिक पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश की संभावना है।

छाया रहेगा घना कोहरा

29 जनवरी और 30 जनवरी को उत्तर प्रदेश और राजस्थान में घना कोहरा छाया रहेगा।29 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में लोगों को कोहरे से परेशानी हो सकती है।बिहार में भी कोहरा 29 जनवरी से 31 जनवरी तक लोगों को परेशान करने वाला है।29 जनवरी को उत्तराखंड, उत्तरी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घने कोहरे की स्थिति की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4-5 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक जाने की संभावना है। पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान अगले 3 दिनों में 3-5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है। अगले 3 दिनों में पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।